वर्ष-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
समाजशास्त्र	1 6 6	हिन्दी

320 - 1236600

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 3 2 4 6 7 0 0

शब्दों में: दो शून्य तीन दो चार छः सात शून्य शून्य

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छ:	आठ

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 03 शब्दों में – तीन

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग :– परीक्षा का दिनांक 17 3 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर — केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल ... परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा — ...हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

महेश सिंह मार्वई
V.N.-2015054

...RMA
V. ...308
शा. ...

नोट :– "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाइ... परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	... (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (1)

उत्तर ! →

(i) (द) जगन्नाथपुरी ।

(ii) (स) स्वामी दयानन्द ।

(iii) (ब) 1976 ।

(iv) (स) कर्ता ।

(v) (स) 1955

प्र० क्रमांक (2)

उत्तर ! →

(i) सिद्धार्थ

(ii) पुरुषार्थ

BSE

Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

(iii) साइमन कमीशन ।

(iv) प्रदूषण ।

(v) सन 1961 ।

प्र० क्रमांक (3)

उत्तर : →

(i) भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस ।

(ii) सन 1992 ।

(iii) सन 1950 ।

(iv) जनसंचार ।

(v) सन 1951 ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (4)

उत्तर :→

(i) सत्य ।

(ii) सत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) असत्य ।

(v) सत्य ।

B
S
E

प्र० क्रमांक (5)

उत्तर :→

(अ)	(ब)
(i) एम० एस० ए० राव	— अर्बनाइजेशन एण्ड शोशल चेन्ज
(ii) प्रभु जाति का मॉडल	— संस्कृतिकरण।
(iii) जनसंचार के साधन	— दूरसंचार
(iv) डी० पी० मुखर्जी	— नव - मध्यम वर्ग
(v) एम० एन श्रीनिवास	— प्रभु जाति

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (6)

(अथवा)

उत्तर :→ हमारे देश की चार पवित्र नदियो के नाम निम्नलिखित है :→

(i) गंगा
(ii) यमुना
(iii) गोदावरी
(iv) सरस्वती आदि है।

B
S
E

प्र० क्रमांक (7)

उत्तर :→
जनांकिकी की एक परिभाषा

सोरोकिन के शब्दो में :→ "जनांकिकी वह विज्ञान है, जो किसी समाज के जनसंख्या के आकार, घनत्व तथा इसमे होने वालि वाली कमी अथवा वृद्धि से सम्बन्धित परिवर्तनो को स्पष्ट करती है।"

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (8)

(अथवा)

उत्तर :→ भारतीय समाज के अध्ययन हेतु प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह ने उपयोग में लाये जाने वाले चार मुख्य उपागमों का उल्लेख किया है :→

(i) भारतीय विद्याशास्त्रीय उपागम
(ii) सांस्कृतिक उपागम
(iii) संरचनात्मक उपागम
(iv) ऐतिहासिक उपागम

B
S
E

प्र० क्रमांक (9)

उत्तर :→ शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है :→

(i) शिक्षा का सबसे प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति के सामाजिकरण के द्वारा उसके व्यक्तित्व का विकास करना है।

(ii) शिक्षा हि व्यक्ति में ऐसी कुशलता विकसित करती है, जिससे व्यक्ति आजीविका उपार्जित करने के योग्य बन सके

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्र॰ क्रमांक (10)

(अथवा)

उत्तर :→

हिंसा के दो कारण :→

(i) कुण्ठा :→ व्यक्ति में जो तरह-तरह की असफलताए मिलती है, उससे हीनता व निराशा की भावना पैदा हो जाती है, इसी से व्यक्ति कुण्ठा के कारण उसमें हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ने लगती है।

(ii) आतंकवाद :→ वर्तमान युग में दुनिया के विभिन्न हिस्सो में आतंकवादी गतिविधियो मे होने वाली वृद्धि हिंसा का प्रमुख कारण है।

प्र॰ क्रमांक (11)

उत्तर :→ हिन्दू विवाह के तीन प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है। →

(i) धार्मिक कर्तव्यो की पूर्ति :→ हिन्दू विवाह का सबसे प्रमुख उद्देश्य पति तथा पत्नी द्वारा अपने धार्मिक कर्तव्यो की पूर्ति करना है।

(2) पुत्र जन्म :→ हिन्दु विवाह का दूसरा उद्देश्य कम-से-कम एक पुत्र को जन्म देना। पुत्र हि अपने पूर्वजो को पिण्ड दान दे सकता है।

(3) रति :→ पी० एच० प्रभु ने लिखा है कि "हिन्दु विवाह मे रति का अर्थ पति पत्नी द्वारा इस उद्देश्य से एक-दूसरे के सम्पर्क मे आना है. जिससे वे एक संस्कारवान सन्तान को जन्म दे सके।"

प्र० क्रमांक (12)

उत्तर :→ जनजातियो में जीवन-साथी के चुनाव के तीन तरीके निम्न है :→

(i) हरण विवाह :→ यह विवाह का वह तरीका है, जिसमे किसी पुरुष द्वारा लड़की को बलपूर्वक उठा लिया है. और उससे विवाह कर लिया जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(2) परीक्षा विवाह :→
अनेक जनजातियों में युवक को विवाह करके के लिए अपनी शक्ति और साहस का परिचय देना पड़ता है। परीक्षा विवाह का सबसे स्पष्ट रूप 'गुजराती 'भीलों' में देखने को मिलती है।

(3) परिवीक्षा विवाह :→
इस प्रथा के अनुसार विवाह के इच्छुक युवक को लड़की के माता-पिता के घर में जाकर कुछ दिन रहना पड़ता है। विवाह का यह तरीका 'मणिपुर की 'कुकी' जनजाति में पाया जाता है।

प्र० क्रमांक (13)

उत्तर :→
भूमि सुधार के तीन उद्देश्य निम्नलिखित हैं :→

(i) समान्ता और सामाजिक न्याय पर आधारित कृषि व्यवस्था का पुनर्गठन करना :→
यह भूमि सुधार कार्यक्रम सबसे मुख्य

योग पूर्व पृष्ठ ... के अंक कुल अंक

उद्देश्य है। क्योंकि दुनिया के अधिकांश देश एक लम्बे समय तक उपनिवेशवादी और सामान्तवादी व्यवस्था के दोषो से पैदा होने वाली बुराइयो के शिकार रहे है।

(2) उपनिवेशवादी शोषण को दूर करना :-

उपनिवेशवाद तथा सामान्तवाद का उद्देश्य कृषको की आय के एक बड़े हिस्से को अपने अधिकार में कर लेना था जिससे कृषको का आर्थिक शोषण अपने चरम सीमा पर पहुंचगया।

(3) कृषि बिचौलियो का उन्मूलन :-

एक अन्य कृषि बिचौलियो का उन्मूलन करके कृषको को अपनी भूमि का स्वतन्त्र मालिक बनाना था। क्योंकि निजि सम्पत्ति की धारणा अधिक श्रम करने को प्रोत्साहन देती है।

प्र॰ क्रमांक (14)

उत्तर :→ नव मध्यम वर्ग की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित है :→

(i) पश्चिमी विचारो से अधिक प्रभावित :→

प्रसिद्ध समाजशास्त्री डी॰पी॰- मुखर्जी ने लिखा है भारत में नव मध्यम के व्यवहार और जीवन शैली - पश्चिमी विचारो से अधिक प्रभावित है।

(ii) आत्मकेन्द्रीत वर्ग :→

यह वर्ग एक तरह से आत्मकेन्द्रीत वर्ग है। जिसका जीवन भाग दौड़ - व्यक्तिगत हितो और अधिक-से-अधिक आर्थिक साधन प्राप्त कर लेने की चुनौतियो से घिरा रहता है।

(iii) उपभोक्तावादी सँस्कृति :→

यह वह संस्कृति है। जिसमे हम प्रत्येक उस चीज को अच्छा मानते है। जो अधिक आधुनिक और महँगी होती है।

योग पृष्ठ कुल

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (15)

उत्तर :→

मध्यकालीन भारत में एकता के तत्व निम्नलिखित हैं :→

(1) हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच आपसी सद्‌भावना :→

इस काल मे भारत के अधिकांश हिस्से पर मुसलमानों का अधिकार होने के बाद भी दोनो मे आपसी सद्‌भाव बना रहा।

(2) अकबर की भूमिका :→

मध्यकालीन भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक एकता को बनाये रखने में अकबर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' नाम का एक नया धर्म चलाया था।

(3) भक्ति आन्दोलन :→

मध्यकाल में सांस्कृति एकता का एक अन्य आधार तत्व इस

B S E

योग पृष्ठ ५०

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

समय आरम्भ होने वाले भक्ति आन्दोलन भी थे। यह भक्ति आन्दोलन दक्षिण भारत के नयनार सन्तों ने चलाया था।

(4) चित्रकला भवननिर्माण कला :-

यदि हम चित्रकला और भवननिर्माण कला के दृष्टि से देखे तो भी एकता का महत्वपूर्ण तत्व कहा जा सकता है।

प्र० क्रमांक (16)

उत्तर :- भारत में बढ़ती हुयी जनसंख्या वृद्धि के कारण निम्नलिखित है :-

(i) अशिक्षा :- अशिक्षा के कारण अधिकांश व्यक्ति परिवार में अधिक बच्चो के जन्म से होने वाली हानियो को नही समझ पाते।

B
S
E

पृष्ठ 14 के अंक		कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) निम्न जीवन स्तर :→ निम्नजीवनस्तर और जनसंख्या वृद्धि के बीच एक प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। जीवन स्तर नीचा होने के फलस्वरूप लोगों के मनोरंजन की समुचित सुविधाए नही मिल पाती। फलस्वरूप स्त्रीयों मे गर्भधारण की सम्भानाए बढ़ जाती है।

B
S
E

(iii) बाल विवाह :→ बाल विवाह में कुछ कमी हुयी है, लेकिन आज मे ग्रामीण समुदायो में बाल विवाह की प्रथा है। बाल विवाह के फलस्वरूप माता-पिता को बच्चो को जन्म देने के कही ज्यादा समय मिल जाता है।

(iv) बहुपत्नी विवाह :→ मुसलमानो तथा कुछ जनजातियो मे बहुपत्नी विवाह की प्रथा होने के फलस्वरूप परिवार का आकार बड़ा होने की सम्भावना बढ़ जाती है।

प्र० क्रमांक (17)

उत्तर :→ ग्रामीण समुदाय की चार विशेषताएँ निम्नलिखित है :→

(i) कृषि मुख्य व्यवसाय :→

ग्रामीण समुदाय का मुख्य व्यवसाय खेती होती है तथा यहा खेती ही लोगो के जीवन को प्रभावित करती है।

(ii) छोटा आकार :→

साधारणतया गॉव मे रहने वाले सभी लोग। एक दूसरे के नातेदार होते है। यही कारण है की धर्म और जाति के आधार पर गॉव बटे होते है। जिनसे इनका आकार छोटा होता है।

(iii) प्राकृतिक पर्यावरण :→

ग्रामीण समुदाय का जीवन अपने पर्यावरण से अधिक प्रभावित होते है। यहा फसलो के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है।

BSE

योग पूव

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iv)
सादा जीवन :→ ग्रामीण समुदाय की अन्य प्रमुख विशेषता यह है, कि इनका जीवन सादा और परम्परावादी होता है, बहुत सी विकास योजनाओं के बाद भी गरीबी और अशिक्षा अन्धश्रद्धा भी ग्रामीण जीवन का अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है।

B S E

(v) प्राथमिक सम्बन्धो की प्रधानता :→

गॉव मे सभी लोग एक दूसरे को व्यक्तिगत रूप से जानते है। उनके पारस्परिक सम्बन्ध वैयक्तिक होते है, किसी स्वार्थ पर आधारित नही होते है।

(vi) परम्परा गत नियन्त्रण :→

गॉवो में कानून और राज्यो के नियमो का व्यक्तियो के व्यवहार पर उतना प्रभाव नही पड़ता जितना परिवार जाति और धर्म का।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
प्रश्न क्र.

B
S
E

प्र० क्रमांक (18)

उत्तर :→ संयुक्त परिवार की चार समस्याएँ निम्नलिखित है :→

(i) बड़ा आकार :→ एक संयुक्त परिवार में तीन-चार पीढ़ियों के रक्त सम्बन्धियों और विवाह के द्वारा इसमें सम्मिलित होने वाले सदस्यों का समावेश रहता है। इसलिए इसका आकार बहुत बड़ा होता है।

(ii) सामान्य निवास :→ एक संयुक्त परिवार के सदस्य सभी मिलकर एक हि मकान मे रहते है। आज रहन के तरीको में कुछ परिवर्तन हो जाने के कारण दो-तीन घरो मिल कर एक साथ रहने लगे है।

(iii) सामान्य रसोई :→ एक संयुक्त के परिवार के सभी सदस्य एक हि रसोई मे बना भोजन करते है।

[redacted]

प्राप्तांक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iv) संयुक्त सम्पत्ति :->

कानूनी और सामाजिक तौर पर हम उसी परिवार एक संयुक्त परिवार कहते है। जिनके सदस्यों के बीच सम्पत्ती का बटवारा न हुआ हो। परिवार का सबसे बयोवृध्द पुरुष सभी को एक सामान्य कोष से धन देता है।

(v) कर्ता की प्रधानता :->

संयुक्त परिवार के मुखिया को कर्ता कहा जाता है। कर्ता हि अपने सभी सदस्यों को अपने रीति - रिवाजों के अनुसार काम सौंता है।

तथा उन सभी को एक दूसरे को आपस मे बांधे रखता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
प्रश्न क.

B
S
E

प्र० क्रमांक (19)

उत्तर :→

क्षिण भारत मे नातेदारी व्यवस्था को हम निम्नलिखित से समझ सकते है :→

(i) दक्षिण भारत मे विवाह सम्बन्धी नियम इस बात पर बल देते है, की कौन से समूह मे विवाह करना अच्छा होता है।

(ii) दक्षिण भारत मे वधु पक्ष की स्थिति को पक्ष से न तो ऊंची ही मनी जाती है और न हि नीची, बल्कि इसमे किसी तरह का कोई विभेद नहीं किया जाता है।

(iii) दक्षिण भारत मे लडकी के जन्म के परिवार और विवाह के द्वारा जुडने वाले परिवार मे बहुत कम अन्तर होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

कुल अंक

प्रश्न क्र.

(iv) दक्षिण भारत में वर पक्ष तथा वधू पक्ष वाले समान स्तर के लोगों को एक समान शब्द के शब्दावली से सम्बोधित किया जाता है।

(v) दक्षिण भारत में एक हि गॉव या पहले से हि जुड़े नातेदारी सम्बन्धी में विवाह किया जाता है।

B
S
E

प्र० क्रमांक (20)

उत्तर :→

नगरीकरण के सामाजिक परिणाम निम्नलिखित है :→

(i) परिवार पर प्रभाव :→

डॉ० ए० आर० देसाई तथा कापड़िया जैसे प्रमुख विद्वानो ने केन्द्रक परिवारो में होने वाली वृद्धि तथा संयुक्त परिवारो के विघटन को नगरीकरण का हि परिणाम माना है

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(2) जाति व्यवस्था में परिवर्तन :→

भारतीय समाज की परम्परागत संरचना जाति व्यवस्था के सिद्धान्तो पर ही आधारित थी। नगरीकरण की प्रक्रिया ने इन प्रभावो को लगभग पूरी तरह समाप्त कर दिया।

B
S
E

(3) स्त्रियो की स्थिति मे सुधार :→

नगरीकरण ने शिक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा समताकारी दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देकर स्त्रियो की प्रस्थिति को ऊँचा उठाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

(4) धार्मिक जीवन मे परिवर्तन :→

नगरी जीवन शैली मे धार्मिक रूढ़ियां, अन्धविश्वासो, बेकार के कर्मकाण्डों तथा पुरोहित वर्ग के अलौकिक अधिकारों का कोई महत्व नहीं होता है।

योग पूव पृ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (21)

(अथवा)

उत्तर :→ जनसंचार के चार दुष्प्रभाव निम्नलिखित है :→

B
S
E

(i) व्यापारिक प्रतिस्पर्धा :→

जनसंचार के साधन विशेषकर रेडियो तथा टेलीविजन पर नीजी कम्पानियो का प्रभाव बहुत अधिक बढ जाने से, इनके द्वारा प्रयोजित कार्यक्रम व्यापारिक प्रतिस्पर्धा पर अधिक आधारित होने लगते है।

(ii) अनुशासन हीनता की समस्या :→

टेलीविजन मे दिखाये जाने वाले कार्यक्रम बच्चो मे शुरू से हि मारधाड़, कामुकता तथा विरोध की भावनाएं विकसित करने लगती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

फलस्वरूप नयी पीढ़ी के लोगों में अनुशासन हीनता मे वृद्धि होने लगती है।

(iii) कर्तव्यों के प्रति उदासीनता :→

जनसंचार के साधनों का नैतिक और आध्यात्मिक सम्बन्धों से कोई सम्बन्ध नहीं होता, इसका सम्बन्ध जीवन के केवल भौतिक पक्षों से होता है, फलस्वरूप देश, समाज और परिवार के प्रति हमारी उदासीनता बढ़ती जाती है।

(iv) सस्ती लोकप्रियता :→

जनसंचार के साधनों की नींव जब आर्थिक लाभ पर आधारित होने लगती है; तब इसके सामने जनसाधारण के हितों का कोई महत्व नहीं रह जाता है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक (22)

उत्तर :→

जनजातियो की पाँच प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है :→

(i) सामान्य नाम :→

प्रत्येक जनजाति का अपना एक विशेष नाम होता है। तथा इसी कारण एक जनजाति के सभी लोग समानता की भावना से एक दूसरे जुड़े रहते है उदाहरण के लिए : गोंड, मुण्डा टोडा भील और संथाल आदि भारत की कुछ बड़ी जनजाति है।

(ii) एक क्षेत्रीय समुदाय :→

प्रत्येक जनजाति एक निश्चित भूभाग मे निवास करता है। सामान्यता इनके निवास का कोई जंगली पहाड़ी अथवा सीमान्त प्रदेश होते है।

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
समाजशास्त्र	1 6 6	हिन्दी	17 3 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा

केन्द्र क्रमांक-322354

पुस्तिका का क्रमांक 120 - 1377974

परीक्षार्थी का रोल नम्बर 2 0 3 2 4 6 7 0 9

शब्दों में दो शून्य तीन दो चार छः सात शून्य नौ

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

(3) पृथक भाषा :-

प्रत्येक जनजाति का अपना एक अलग भाषा होती है। एक जनजाति के सभी लोग अपनी हि भाषा या बोली में विचार का आदान-प्रदान करते है

(4) आत्मनिर्भरता :-

जनजाति एक आत्मनिर्भर समुदाय है। तथा यह सामाजिक और आर्थिक तुलना में दूसरे सभी समुदायो पर बहुत कम निर्भर है

अंकों का योग

(5) समानता की चेतना :→

प्रत्येक जनजाति अपनी उत्पत्ती किसी काल्पनिक पूर्वज या टोटेम से मानती है। इसकारण सभी जनजातियां अपने आपको एक बड़े वंशज के रूप देखती है।

प्र० क्रमांक (23)

(अथवा)

उत्तर :→

भारत की परम्परागत संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित है :→

(i) आध्यात्मवाद :→

डॉ० राधाकृष्णन ने लिखा है कि भारत की परम्परागत संस्कृति में आध्यात्मवाद उसकी आत्मा है। आध्यात्मवाद का तात्पर्य सांसारिक कर्तव्यों को छोड़ कर साधु सन्यासी बन जाने से नहीं है।

(ii) — कर्तव्यो पर बल ! →

भारतीय संस्कृति में व्यक्ति के सभी कर्तव्यो को चार मुख्य भागो मे विभाजित किया गया है इन्ही को हम ~~पुरुसाथ~~ पुरुषार्थ भी कहते है।

(iii) - सामूहिकता : →
भारतीय संस्कृति व्यक्तिवाद को महत्व न देकर सामूहिकता को अधिक महत्व महत्व देती है। इस आधार पर यह स्पष्ट किया गया की सभी व्यक्तियो पर पाँच तरह के ऋण होते है।

(iv) - कर्मफल मे विश्वास ! →

सभी जातियो तथा व्यक्तियो को अपने कर्तव्यो को पूरा करने की प्रेरणा देने के लिए भारतीय संस्कृति मे कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने कर्मो का फल भोगने से नही बच सकता है।

(v) सहिष्णुता और सांमजस्य :→

भारतीय संस्कृति की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसके अन्तर्गत सांस्कृति और धार्मिक एकता को बनाये रखने के लिए व्यक्ति के स्वतन्त्रता का दमन नही किया गया है।

प्र० क्रमांक (25)

त्तर :→
भारत मे महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम निम्नलिखित है :→

(i) स्वयंसिद्धा कार्यक्रम :→

ग्रामीण तथा नगरीय महिलाओ को सन् 1995 मे महिला समृद्धि योजना के अन्तर्गत अपने स्वय सहायता बना कर किसी विशेष गृह उद्योग खोलने को प्रोत्साहन दिया गया।
सन् 2001 से इस कार्यक्रम को स्वयं-सिद्धा कार्यक्रम मे मिला दिया गया।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
समाजशास्त्र	1 6 6	हिन्दी	17 3 2020

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हा० से० सर्टि० परीक्षा
केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

(ii) जननी सुरक्षा योजना :-

भारत मे जब सन् 2005 मे भारतीय राष्ट्रीय स्वस्थ्य मिशन आरम्भ हुआ तो यह कार्यक्रम माताओ और शिशुओ के लिए बनायी गयी। इसके लिए बच्चो को जन्म देने की दशा मे महिलाओ को 1400 रुपये की आर्थिक सहायता देना था।

(iii) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना :-

देश मे कन्या भ्रूण हत्या को रोकने तथा स्त्रियो और पुरुषो के अनुपात मे बढ़ते अन्तर को कम करने के लिए वर्ष 2015 से आरम्भ की गयी।

अंकों का योग

(iv) सुकन्या समृद्धि योजना :→

यह योजना भारत सरकार द्वारा जनवरी 2015 से आरम्भ की गयी। इस योजना का उद्देश्य माता - पिता को अपनी लड़की के भावी शिक्षा और विवाह के लिए एक पृथक खाता खुलवाने को प्रोत्साहन देना था।

(v) प्रधानमंत्री उज्जवला योजना :→

निर्धन महिलाओ की स्वास्थ्य की की देख रेख तथा उन्हे धुए भरे रसोई के प्रदूषण से बचाने के लिए वर्ष 2016 से आरम्भ की गयी।

प्र० क्रमांक (25)

(अथवा)

उत्तर :→
भारत मे सामाजिक विधानो को पांच प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है :→

(1) सामाजिक नियंत्रण :→

सामाजिक विधानो का सबसे मुख्य उद्देश्य सामाजिक नियंत्रण की व्यवस्था की व्यवस्था को प्रभावपूर्ण बनाना है। यह तभी सम्भव होगा जब लोग बदलती हुयी जरूरतो के अनुसार व्यवहार के तरीको में परिवर्तन करें।

(2) सामाजिक न्याय :→

संविधान मे दी गयी व्यवस्था के अनुसार यह जरूरी हो गया की समाज मे जाति धर्म और लिंग पर ध्यान दिये बिने सभी जातीयो के लोगो को अपने विकास के समान अवसर दिये जाये।

(3) दुर्बल वर्गों की दिशा में सुधार :→

सामाजिक विधान एक ऐसा साधन है, जिसकी सहायता से, आदिवासीओ, दुर्बल और महिलाओ की दशा मे सुधार किया जा सकता है।

④ सामाजिक जागरूकता :→

भारतीय समाज में स्वतंत्रता से पहले स्मृतिकाल काल तक रुढ़ियों अन्धविश्वासों और पुराणों में इतनी वृद्धि होती रही की पूरा समाज जड़ और विवेकशून्य हो गया। इसके फलस्वरूप इन रुढ़ियों को सामाजिक कानूनों के द्वारा ही दूर किया गया।

⑤ सामाजिक समस्याओं का समाधान !→

भारतीय समाज में स्वतंत्रता से पहले तक बहुत सी सामाजिक समस्याएं समाज को विघटित कर रही थी। इस दशा में यह जरूरी हो गया की सामाजिक विधानों के द्वारा इन समस्याओं को दूर किया जाए।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
समाजशास्त्र	1 6 6	हिन्दी	17 3 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

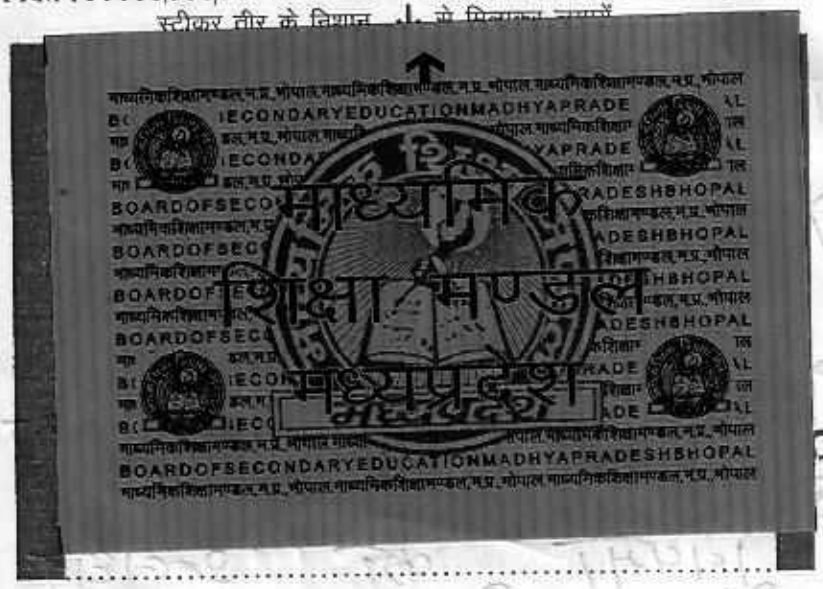

हा० से० सर्टि० परीक्षा

केन्द्र क्रमांक-322354

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

[illegible]

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

[illegible]

उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ....

(अथवा)

उत्तर :→ सामाजिक विचलन के प्रमुख पाँच कारण निम्नलिखित है।

① सामाजिकरण की कमी :→

यह सच है की व्यक्ति का सामाजिकरण करने वाले सभी अभिकरण विचलित व्यवहारो का विरोध करते है। लेकिन वे अवसर सामाजिक मूल्यो के अनुसार व्यवहार करने वालो को समुचित पुरस्कार नही दे पाते है।

ों का योग

② दुर्बल स्वीकृतियाँ !→

समाज लोगो मे एकरूपता बनाये रखने के लिए अनेक साकारात्मक और नकारात्मक साधनो की व्यवस्था करता है इसके बाद मे सामाजिक नियमो को उल्लंघन करने वाले को समुचित दण्ड न मिले तो इससे भी विचलित व्यवहार बढ़ता है।

③ कानूनो को लागू करने मे दुर्बलता !→

कानून को लागू करने वाले लोगो की कमी के कारण अवसर कानून प्रभावपूर्ण ढंग से लागू नही हो पाता है।

योग पूर्व पृष्ठ + के अंक = कुल अंक

(4) भ्रान्त तर्कों का प्रचलन

भ्रान्त तर्कों की सहायता से लोग अपने व्यवहार को सही दिखाने की कोशिश करने लगते हैं।

(5) कानूनो का भ्रष्ट उपयोग

दुनिया के अधिकांश देशों में कानून के द्वारा नियन्त्रण स्थापित करने की जगह उनका भ्रष्ट और मनमाना उपयोग करना आम बात हो गयी है।